# चतुरायतन यात्रा (प्राचीन लिंगपुराण)

---

शैलेशं सङ्गमेशं च स्वर्लीनं मध्यमेश्वरम।
दृष्ट्वा न जायते मर्त्यः संसारे दुःखसागरे।। ८

इस यात्रा में मढ़ियाघाट पर शैलेश्वर, वरणागंगा संगम के पास संगमेश्वर, प्रह्लाद घाट के पास स्वार्मीनेश्वर तथा मैदगिन के ऊपर मध्यमेश्वर का दर्शन-पूजन का विधान है।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.